

झारखंड की दो दर्जन सीटों पर फिर टकरायेंगे पुराने योद्धा

कुछ सीटों पर पार्टी बदल कर चुनाव मैदान में उतरे हैं पुराने प्रतिद्वंद्वी

कई सीटें ऐसी हैं, जिन पर 2019 में बेहद करीबी हुआ था मुकाबला

झारखंड की 81 सदस्यीय विधानसभा के छठे संस्करण के लिए दो चरणों में होनेवाले चुनावों के मुकाबले की तस्वीर लगभग साफ हो गयी है। राजनीतिक दलों द्वारा प्रत्याशियों की घोषणा के बाद नामांकन दाखिल करने का काम भी तेजी से चल रहा है। 13 नवंबर को होनेवाले पहले चरण के मतदान के लिए नामांकन भरने का काम अगले 24 घंटे में पूरा हो जायेगा, जबकि 20 नवंबर को होनेवाले दूसरे चरण के मतदान के लिए नामांकन दाखिल करने का काम चल रहा है। झारखंड



होगा, क्योंकि इन सीटों पर पुराने प्रतिद्वंद्वी ही एक बार फिर मैदान में उतरे हैं। हालांकि इन दो दर्जन सीटों में से कई पर प्रतिद्वंद्वी तो पुराने हैं, लेकिन उन्होंने इस बार दल बदल लिये हैं और वे नये चुनाव चिह्न के साथ मैदान में हैं। 2019 में इनमें से कई सीटों पर मुकाबला काफी करीबी हुआ था। इसलिए इस बार बाजी किसके हाथ रहेगी, इसका आकलन बेहद मुश्किल है।

रांची में फिर सीपी और महुआ का सामना

बात शुरू करते हैं रांची विधानसभा सीट से। यहां एक बार फिर भाजपा के सीपी सिंह का मुकाबला झामुमो की महुआ माजी से होगा। 2019 में सीपी सिंह ने महुआ माजी को 5904 वोटों के अंतर से हराया था। सीपी सिंह को 79646 और महुआ माजी को 73742 वोट मिले थे।

हटिया में फिर टकरायेंगे नवीन और अजय

राजधानी की दूसरी विधानसभा सीट हटिया में भी एक बार 2019 की कहानी दुहरायी जायेगी। भाजपा के नवीन जायसवाल एक बार फिर कांग्रेस के अजयनाथ शाहदेव से टकरायेंगे। 2019 में नवीन ने अजय को 16264 वोटों के अंतर से हराया था। नवीन को 115431 और अजय को 99167 वोट मिले थे।

विधानसभा का यह चुनाव बेहद दिलचस्प और रोमांचक होनेवाला है, क्योंकि इस बार अधिकांश सीटों पर मुकाबला सीधा होने के आसार हैं। मुकाबले में एक तरफ सत्तारूढ़ इंडी गठबंधन के घटक दल हैं, जिनमें झामुमो, कांग्रेस, राजद और भाकपा माले शामिल हैं।

आजाद सिपाही विशेष

बनाने के लिए कई दूसरे दल भी मैदान में उतरे हैं, लेकिन कुछेक को छोड़ कर उनकी मौजूदगी का कोई खास असर पड़ता

दूसरी तरफ विपक्षी एनडीए है, जिसमें भाजपा, आजसू, जदयू और लोजपा-आर शामिल हैं। इस चुनाव मुकाबले को त्रिकोणीय या बहुकोणीय

नहीं दिखाई दे रहा है। इसके साथ ही इस चुनाव की सबसे खास बात यह है कि विधानसभा की करीब दो दर्जन सीटों पर मुकाबला पुराने प्रतिद्वंद्वियों के बीच ही होगा, हालांकि कई सीटों पर उन चेहरों ने नयी पार्टी का दामन थाम लिया है। पुराने प्रतिद्वंद्वियों के एक बार फिर मुकाबले में उतरने के कारण ये विधानसभा सीट चर्चित हो गये हैं। क्या है इन दो दर्जन सीटों का चुनावी परिदृश्य और मुकाबले की तस्वीर, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष सवाददाता राकेश सिंह।

संथाल समेत इन सीटों पर पुराने चेहरों की टक्कर

झारखंड की सत्ता का प्रवेश द्वार कहे जानेवाले संथाल परगना की अधिकांश विधानसभा सीटों पर भी मुकाबला पुराने चेहरों के बीच ही होगा। हालांकि यहां कई प्रत्याशी नये दलों के साथ मैदान में हैं। जरमुंडी में एक बार फिर कांग्रेस के बादल पत्रलेख का मुकाबला भाजपा के देवेंद्र कुंवर से होगा। झारखंड की आध्यात्मिक राजधानी देवघर में भी मुकाबला भाजपा के नारायण दास और राजद के सुरेश पासवान के बीच होगा, जैसा कि 2019 में हुआ था। गोड्डा सीट पर भी 2019 की तरह भाजपा के अमित मंडल और राजद के संजय प्रसाद यादव के बीच टक्कर होगी, जबकि महगामा में एक बार फिर 2019 की तरह कांग्रेस की दीपिका पांडेय सिंह को भाजपा के अशोक कुमार भगत चुनौती देंगे। इसके अलावा गिरिडीह में झामुमो के सुद्विज कुमार को भाजपा के निर्भय शाहाबादी फिर चुनौती देंगे, जैसा कि 2019 में हुआ था। झरिया में भी यही सीन है, जहां 2019 की तरह एक बार फिर कांग्रेस की पूर्णिमा नीरज सिंह को भाजपा की रागिनी सिंह चुनौती देंगी। इसके अलावा जिन सीटों पर 2019 की तरह पुराने चेहरों के बीच मुकाबला होगा, उनमें मांडू (जेपी पटेल (कांग्रेस) बनाम आजसू के निर्मल महतो),

बड़कागांव (अंबा प्रसाद (कांग्रेस) बनाम भाजपा के रोशनलाल चौधरी), चंदनकियारी (अमर बाउरी (भाजपा) बनाम झामुमो के उमाकांत रजक), निरसा (अर्पणा सेनगुप्ता (भाजपा) बनाम माले के अरूप चटर्जी), इचागढ़ (सविता महतो (झामुमो) बनाम आजसू के हरेलाल महतो), सिमडेगा (भूपण बाड़ा (कांग्रेस) बनाम भाजपा के श्रद्धानंद बेसरा), कोलेबिरा (नमन विक्सल कोगाड़ी (कांग्रेस) बनाम भाजपा के सुजान जोजो), लोहरदगा (रामेश्वर उरांव (कांग्रेस) बनाम आजसू की नीरू शांति भगत), लातेहार (बैजनाथ राम (झामुमो) बनाम भाजपा के प्रकाश राम), विश्रामपुर (रामचंद्र चंद्रवंशी (भाजपा) बनाम राजद के नरेश प्रसाद सिंह), गढ़वा (मिथिलेश ठाकुर (झामुमो) बनाम भाजपा के सत्येंद्रनाथ तिवारी और भवनाथपुर (भानु प्रताप शाही (भाजपा) बनाम झामुमो के अनंत प्रताप देव) शामिल हैं।

करीबी हुआ था मुकाबला

इन दो दर्जन सीटों की खास बात यह है कि इनमें से अधिकांश पर जीत का अंतर एक हजार से लेकर सात हजार वोटों का रहा था। यानी इनमें से अधिकांश सीटों पर मुकाबला बेहद करीबी रहा था। यदि कोई चमत्कार नहीं हुआ, तो ये सीटें इस बार भी चुनाव का रोमांच बढ़ायेंगी।

कांग्रेस ने झारखंड आंदोलन को कुचलने का किया काम, भाजपा ने समझा आदिवासियों का दर्द : चंपाई

आजाद सिपाही संवाददाता

घाटशिला। घाटशिला से भाजपा प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन के नामांकन सभा में चंपाई सोरेन शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि झारखंड को बनाने में लंबा संघर्ष हमलोगों ने किया है। पहले देश में कांग्रेस की सरकार रह चुकी है, लेकिन झारखंड आंदोलन को कांग्रेस ने नजदीक से नहीं देखा। कांग्रेस ने कभी झारखंड के आदिवासी, मूलवासियों की भावना को नहीं समझ सकी। उस आंदोलन में कितने ही बहु बेटियों का सिंदूर मिट गया। कांग्रेस की सरकार ने कभी आदिवासी, मूलवासियों के हित में नहीं सोचा। दलितों आदिवासियों के हित के लिए कांग्रेस ने कभी काम नहीं किया। आज वे झारखंड के हित की बात करते हैं, लेकिन कांग्रेस ने हमेशा झारखंड आंदोलन को कुचलने का काम किया। कांग्रेस ने झारखंड के साथ कभी न्याय नहीं किया।

चंपाई सोरेन ने कहा कि झारखंड आंदोलन को जब देश में भाजपा की सरकार बनी तो उस समय के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने समझा। उन्होंने झारखंड आंदोलन को नजदीक से देखा। उन्होंने दलित, आदिवासी और मूलवासियों के दर्द को समझा। भाजपा ने दलितों आदिवासियों के दर्द को समझा। भाजपा और अटल बिहारी वाजपेई की सरकार ने झारखंड को बनाया है। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस ने

- कांग्रेस-जेएमएम गठबंधन ने आदिवासियों की जमीन लूटी
- जेएमएम, कांग्रेस गठबंधन सरकार में झारखंड का विकास असंभव

- झारखंड आंदोलन में बहु-बेटियों का सिंदूर मिटा, कांग्रेस ने नहीं किया न्याय
- बिरसा मुंडा के संघर्ष की धरती को जेएमएम-कांग्रेस सरकार लूट रही



सिर्फ गोली चलाने का काम की। गोवा में जो गोलीकांड हुआ उसे कांग्रेस सरकार कराई। आज कांग्रेस किस मुह से कह रही है कि झारखंड का भलाई करेंगे। आगे कहा कि हो भाषा बंगाल, झारखंड, ओड़िशा और असम में भी है। हो भाषा के संरक्षित करने के लिए देश के गुह मंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा

कि इसका भी रास्ता खुलेगा और आठवीं अनुसूची में शामिल किया जाएगा। कांग्रेस ने तो सिर्फ झारखंड आंदोलनकारियों के घरों को तोड़ने का काम किया है। आज जो हमलोग अलग प्रदेश में रह रहे हैं छाती ठोक के कहता हूं कि भाजपा की देन है। भाजपा ही आदिवासियों का संरक्षण कर सकती है। पीएम मोदी और भाजपा सरकार ने

आदिवासी महिला को देश का राष्ट्रपति बना दिया। जेएमएम कांग्रेस की सरकार पर भी चंपाई सोरेन ने निशाना साधा। कहा कि कांग्रेस जेएमएम भाजपा में शामिल होने को लेकर आरोप लगाती है। जेएमएम कांग्रेस और आरजेडी गठबंधन की सरकार में झारखंड का कभी विकास नहीं हो सकता है। संथाल परगना में आज बांग्लादेशी घुसपैठ हो रहा है। आदिवासियों के जमीनों को लूटा जा रहा है। अंग्रेजी साम्राज्य के खिलाफ आदिवासी समाज ने लड़ाई लड़ी। बिरसा मुंडा ने धनूप के दम पर अंग्रेजों को बाहर किया। आज उसी झारखंड को जेएमएम कांग्रेस की सरकार लूटने में लगी है। इसलिए आगामी चुनाव में झारखंड के विकास के लिए भाजपा की सरकार बनानी जरूरी है।

डॉ लंबोदर महतो के नामांकन में उमड़ी भीड़, सभा को किया संबोधित गोमिया का सर्वांगीण विकास ही उद्देश्य

आजाद सिपाही संवाददाता

गोमिया। गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने आजसू पार्टी प्रत्याशी के रूप में बेरमो अनुमंडल पदाधिकारी (तेनुघाट) के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके बाद न्यू मार्केट मैदान में आयोजित नामांकन सभा में उपस्थित भारी भीड़ को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आप सबों का प्यार, स्नेह व आशीर्वाद हमको मिलता रहा है। पुनः मिलेगा, ऐसा हमें आशा व विश्वास है। हमने विपक्ष में रहते हुए अनेकों विकास का काम किया है। लोगों की सेवा की है। हम हमेशा जनता के हित लगे रहते हैं। 135 सड़कों का निर्माण कराया है। 03 अरब से ज्यादा के विकास कार्य किया गया है। अनेकों पुल- पुलिया का भी निर्माण किया गया है। जनहित के सैकड़ों काम भी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को भ्रमित होने की जरूरत नहीं है। विरोधियों की साजिश का मुंहतोड़ जवाब देना है। उन्होंने कहा कि हम विकास की राजनीति करते हैं। लोगों का हित सर्वोपरि है। गोमिया का सर्वांगीण विकास हमारा बराबर ध्येय बना रहता है। इसके पूर्व गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि लोगों को यह संकल्प लेना है कि हम सबों को एनडीए की सरकार बनाना है। राज्य की मौजूदा ऋष्ट हेमंत सोरेन सरकार को उखाड़ फेंकना है। क्षेत्र की जनता इस बात को भली-भांति समझती है कि हेमंत सोरेन सरकार ने राज्य का बड़ा नुकसान किया है। ठगने व धोखा देने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि एनडीए की



नीतियों पर लोगों को भरोसा है। लोगों ने यह तय कर लिया है कि गोमिया से डॉ लंबोदर महतो को विजय दिलाकर एनडीए की सरकार बनानी है। नामांकन सभा में भाजपा प्रभारी संजय सिंह ने कहा कि चुकना नहीं है। परिवर्तन करना है। कुशासन को समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि एनडीए ने डॉ लंबोदर महतो को प्रत्याशी बनाया है। आप सबों का यह कर्तव्य एवं दायित्व बन जाता है की सरल, सहज व व्यवहार कुशल व लोगों के सुख-दुख के साथी व सदैव अपनां के बीच रहने वाले डॉ लंबोदर महतो को हम सब अपार मतो से चुने और झारखंड में एनडीए की सरकार बनाने में अपनी-अपनी भागीदारी करें। कहा कि हेमंत सोरेन सरकार को हटाना आवश्यक है और यह

चुनाव अवसर है। नामांकन सभा में भाजपा, आजसू पार्टी, जनता दल यूनाइटेड, लोजपा के नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए। संचालन राजेश विश्वकर्मा ने किया। सभा को अशोक हेब्रम, अकेश्वर महतो, मुमताज अंसारी, संतोष साव, महेश महतो, मिनहाज अंसारी, चंपा देवी, कामेश्वर महतो, भवानी प्रसाद मुखर्जी, रवि केवट, अनिल महतो, मुन्नी देवी, अमरजीत महाराज, मोहन राम व देवेंद्र महतो आदि ने संबोधित किया। नामांकन सभा में गोमिया, पेटरवार एवं कसपार प्रखंड के विभिन्न पंचायत से आए बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। नामांकन सभा के पूर्व डॉ लंबोदर महतो बेरमो अनुमंडल कार्यालय से लोगों के भारी हुजूम के साथ सभा स्थल पर पहुंचे।

गुरुवार को प्रत्याशियों ने किया ताबड़तोड़ नामांकन

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। इस चुनावी रण में झारखंड के कई दिग्गज नेता मैदान में उतर गये हैं। 13 नवंबर को होनेवाले पहले चरण की 43 विधानसभा सीटों के लिए नामांकन की अंतिम तारीख से ठीक एक दिन पहले प्रत्याशियों का जमावड़ा नामांकन स्थल पर लगा रहा। रांची स्थित समाहरणालय में गुरुवार को रांची, हटिया, कांके, मांडर और खिजरी विधानसभा के लिए उम्मीदवारों ने नामांकन किया। भाजपा झामुमो और कांग्रेस सहित विभिन्न दलों के प्रत्याशियों द्वारा किये जा रहे नामांकन के दौरान समर्थकों का उत्साह चरम पर था। रांची सीट से चंद्रेश्वर प्रसाद सिंह (सीपी) सिंह ने नामांकन दाखिल किया। नामांकन दाखिल करते हुए सीपी सिंह ने एसडीएम के समक्ष दो सेट में नामांकन



समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करने जाते सन्नी टोप्पो ।

पर्चा भरा। सीपी सिंह को उम्मीद है कि रांची की जनता सातवीं बार जरूर सेवा करने का मौका देने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि रोटी, बेटी और माटी के मुद्दे पर जनता के बीच वो जाने का काम करेंगे। वहीं हटिया विधानसभा सीट से नवीन जायसवाल ने भाजपा की ओर से नामांकन पर्चा दाखिल किया। नवीन जायसवाल ने दो सेट में पर्चा दाखिल करते हुए कहा कि जिस तरह से राज्य में जेएमएम, कांग्रेस और राजद की सरकार चल रही है, उससे जनता निजात पाना चाहती है। एक बार फिर हटिया सीट पर कमल खिला कर राज्य में एनडीए की सरकार बनाने का काम करेंगे। डॉ जीतू चरण राम ने कांके सीट से नामांकन दाखिल करते हुए अपनी जीत का दावा किया। जीतू चरण राम के साथ संजीव विजयवर्गीय, समरीलाल मौजूद रहे। मांडर से



समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करने जाते सीपी सिंह ।

भाजपा ने सन्नी टोप्पो को चुनाव मैदान में उतारा है। उन्होंने भी गुरुवार को नामांकन पर्चा दाखिल किया है। सन्नी टोप्पो ने कहा कि मांडर विधानसभा की जनता बाप और बेटी दोनों का कार्यकाल देख ली है। इस दौरान क्षेत्र का विकास नहीं हुआ है। इसलिए इसबार जनता ने बदलाव का मन बना लिया है। वहीं इंडिया गठबंधन से कांग्रेस के हटिया विधानसभा से अजय नाथ शाहदेव ने एक सेट में नामांकन किया। नामांकन के बाद अजय नाथ शाहदेव ने कहा कि हटिया की जनता के मन बना लिया है कि बदलाव करना है। जनता चाहती है कि अजय नाथ शाहदेव उनका प्रतिनिधित्व करें। झामुमो के रांची से उम्मीदवार महुआ माजी ने कहा कि रांची की जनता मेरे और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के काम देख चुकी है। पिछले 30 साल से जनता एक



नामांकन जनसभा में शिवराज सिंह चौहान के साथ नवीन जयसवाल ।

प्रत्याशी को आजमा चुकी है। रांची शहर को संवारने और मेट्रो सिटी की सुविधा के लिए जनता वोट करेगी। मांडर से कांग्रेस के प्रत्याशी शिल्पी नेहा तिरकी ने कहा कि पार्टी ने उन पर विश्वास जताया है, इस पर खरा उतरने का प्रयास करूंगी। उन्होंने कहा कि राज्य में फिर से गठबंधन की सरकार बनेगी। भाजपा के प्रत्याशी सन्नी टोप्पो पर तंज करसते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी का खोटा सिक्का नहीं चलेगा। खिजरी विधानसभा से कांग्रेस के प्रत्याशी राजेश कच्छप ने कहा कि जनता की सहयोग से इवीएम में सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस का पंजा दिखेगा। इस बार फिर से झारखंड प्रदेश में इंडिया गठबंधन की सरकार हेमंत सोरेन की नेतृत्व में बनेगी। नामांकन के दौरान ढोल नगाड़ा से समाहरणालय के बाहर उत्सव जैसा माहौल दिनभर बना रहा।



समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करने जाते डॉ जीतू चरण राम ।



बोध मैदान प्रांगण में आयोजित नामांकन सभा में पूर्णिमा दास साहू ।



नामांकन जनसभा में सुबोधकांत सहाय के साथ अजय नाथ शाहदेव ।



समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करने जाती शिल्पी नेहा तिरकी ।



समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करने जाती डॉ महुआ माजी ।

जब तक जिंदा हूं आरक्षण और संविधान पर कोई आंच नहीं आने दूंगा : चिराग पासवान

हेमंत सरकार ने झारखंड की गरीब जनता का पैसा लूटा- चिराग जेएमएम कांग्रेस सरकार से झारखंड को संकट

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। चतरा विधानसभा से लोजपा प्रत्याशी जनार्दन पासवान के नामांकन सभा में केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं अपने पिता स्वर्गीय रामविलास पासवान जी के संघर्षों की कसम खाकर कहता हूँ कि जब तक चिराग पासवान जिंदा है तब तक आरक्षण और संविधान पर कोई आंच नहीं आएगी। हेमंत सरकार पर निशाना



साधते हुए कहा कि जेएमएम कांग्रेस की सरकार ने झारखंड को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की

सरकार राज्य के गरीबों का पैसा लूटकर अपने घरों में भरने का काम कर रहे हैं। जेएमएम कांग्रेस ने राज्य में महिलाओं को

असुरक्षित कर दिया है। युवाओं को पांच लाख नौकरी देने के नामपर पांच सालों तक ठगा। इसलिए झारखंड को भ्रष्टाचार और

लूट की सरकार से मुक्त करने के लिए भाजपा की सरकार बनानी जरूरी है। चिराग पासवान ने कहा कि भाजपा सरकार में राम मंदिर बना। जब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी उन्होंने राम मंदिर के बारे में सोचा तक नहीं। पाँच सौ सालों से हमारे रामलला धूप, धूल, गर्मी, बरसात सहते रहे। कांग्रेस की सरकार के दौरान श्री राम जी को टेंट में रहना पड़ा और उनकी कोई सुद लेने वाला नहीं था। लेकिन देश में भाजपा की सरकार बनते ही श्री राम भक्तों को भव्य राम मंदिर देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। जिसका लोकार्पण और श्री राम मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया।

पूरे कोल्हान की 14 सीटों पर एनडीए गठबंधन प्रचंड वोटों के साथ जीत दर्ज करेगा : मीरा मुंडा

नामांकन के बाद आयोजित सभा को किया संबोधित

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पोटका विधानसभा प्रत्याशी मीरा मुंडा ने गुरुवार को नामांकन दाखिल के पश्चात जमशेदपुर के बोधि मैदान में आयोजित एनडीए के नामांकन सभा को संबोधित किया। इस दौरान असम के मुख्यमंत्री हिमंता



बिस्वा सरमा, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, बिहार सरकार के मंत्री प्रेम

कुमार, अशोक चौधरी एवं जमशेदपुर के सांसद विद्युतवरण

महतो उपस्थित रहे। इस अवसर पर मीरा मुंडा ने अपने संबोधन में

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने नामांकन के बाद जनसभा का किया आयोजन जनता के आशीर्वाद से फिर हमारी पार्टी सरकार बनायेगी : कल्पना

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह । पपरवाटांड मैदान में गुरुवार को दो बजे झारखंड मुक्ति मोर्चा की ओर से एक जनसभा का आयोजन किया गया। बता दे कि गिरिडीह गांडेय ओर जमुआ विधानसभा क्षेत्र से झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इसके बाद जन सभा का आयोजन किया गया। इस जनसभा में झारखंड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी सुदीब्य कुमार सोनु, गांडेय प्रत्याशी कल्पना मुर्मू सोरेन जमुआ से प्रत्याशी केदार हाजरा झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला अध्यक्ष संजय सिंह कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष सतीश केडिया अजय सिंहा मंदू



कई नेता कार्यकर्ता और हजारों की संख्या में तीनों विधानसभा क्षेत्र से लोग जनसभा में पहुंचे हुए थे। जनसभा के माध्यम से तीनों प्रत्याशियों ने अपने-अपने पक्ष में वोट मांगा और फिर से एक बार हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री बनाने

के लिए अपील किया। इस मौके पर भाजपा पर जमकर निशाना साधा गया। मंत्री हफीजुल हसन ने कहा कि जनता के आशीर्वाद से हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री बने थे। एक बार फिर से आप सभी को उन्हें मुख्यमंत्री बनना है कहा कि जेल

का बदला जीत से लिया जाएगा इसीलिए झारखंड के अस्तित्व को बचाने के लिए फिर से सत्ता में हेमंत सोरेन की सरकार को आने की जरूरत है। सुदीब्य कुमार सोनु ने कहा की छत्तीसगढ़ असम और एमपी के

मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री गिरिडीह में आकर डेरा डाले हुए हैं लेकिन झारखंडी के अस्तित्व को बचाने वाले कौन हैं वह भली-भांति जनता जानती है। कहां की झारखंड को हड़पने से बचना होगा। झारखंड और गिरिडीह में विकास चाहते हैं तो एक बार फिर से हेमंत सोरेन की नेतृत्व वाली सरकार बनानी होगी। भीड़ को लेकर उन्होंने कहा कि यह हुआ हम सभी को ताकत और मजबूती प्रदान करेगी। कल्पना मुर्मू सोरेन और केदार हाजरा ने जीत का दावा करते हुए कहा कि जनता का आशीर्वाद क्षेत्र में मिल रहा है एक बार फिर से हमारी पार्टी सरकार बनायेगी और झारखंड के विकास की लकीर को आगे बढ़ाएगी।

हेमंत सोरेन ने पिता की कसम खाकर झूठ बोला : हिमंता बिस्वा सरमा

-असम के मुख्यमंत्री जमशेदपुर में एनडीए प्रत्याशियों की सभा में हेमंत सरकार पर गरजे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। असम के मुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन ने राज्य की जनता को सिर्फ लूटने का काम किया है। जनता को धोखा दिया है। उन्होंने अपने पिता शिबू सोरेन की कसम खायी, उसके बाद भी राज्य की जनता से किये वादे को पूरा नहीं किया। पूरे देश में हेमंत सोरेन एक ही नेता हैं, जिसने अपने बाप की कसम खाकर झूठ बोला। हेमंत सरकार में बांग्लादेशी घुसपैठियों को संरक्षण मिल रहा है। राज्य में घुसपैठिये, माफियाओं और दलालों की सरकार काम कर रही है। हेमंत सोरेन की सरकार झारखंड की भलाई नहीं चाहती है। राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी तभी झारखंड का विकास होगा। हिमंता गुरुवार को जमशेदपुर में एनडीए प्रत्याशियों के नामांकन के बाद जनसभा में बोल रहे थे। पोटका से भाजपा प्रत्याशी मीरा मुंडा, जमशेदपुर (पूर्व) से पूर्णिमा दास साहू, जुगसलाई से रामचंद्र सहिस और जमशेदपुर (पश्चिम) से जदयू प्रत्याशी सरयू राय ने नामांकन किया। सीजीएल घोटाले को सीबीआइ से जांच होगी: हिमंता ने कहा कि जब भी मैं जमशेदपुर आता हूं, तो



भाजपा के पांच प्रण को गिनाया

असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड में हेमंत सरकार ने जल, जंगल जमीनी को लूटने का काम किया है। राज्य के बालू तक को हेमंत सरकार ने लूटा है। राज्य में भाजपा की सरकार बनते ही बालू माफियाओं को खत्म कर सभी लोगों के लिए बालू कर दिया जायेगा। हेमंत सोरेन की सरकार सिर्फ भ्रष्टाचार में लिप्त है। चुनाव में हार के डर से महिलाओं को लालच देने के लिए आज मईयां सम्मान यौनजा की बात कर रहे हैं। हेमंत सरकार में महिलाएं

असुरक्षित हैं। पिछले पांच सालों में सबसे ज्यादा महिलाओं की हत्या हुई है। राज्य में महिलाओं का सम्मान लूटा गया है। आज झारखंड महिलाओं के खिलाफ हो रहे अपराध में देश में नंबर एक पर खड़ा है। सरमा ने भाजपा के पंचप्रण गिनाये। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनते ही पहली कैबिनेट बैठक में गंगो दीदी योजना से महिलाओं को 2100 रुपये दिये जायेंगे। राज्य में खाली पदों को भरने का काम किया जायेगा।

युवाओं से बात करता हूं। झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार में युवाओं का कोई भविष्य नहीं है। राज्य में सीजीएल समेत तमाम परीक्षाएं होती है, उसका पेपर पैसे लेकर बेच दिया जाता है। जनता सब जानती है कि हेमंत सोरेन, बन्ना गुप्ता मिलकर झारखंड में परीक्षाओं को होने नहीं देते हैं। झारखंड में भाजपा की सरकार बनते ही पहली कैबिनेट में सीजीएल घोटाले को सीबीआइ से जांच कराने का काम करेगी। झामुमो-कांग्रेस की सरकार में

जिसने भी पेपर पत्र लीक करने का महापाप किया है, उन सभी को भाजपा की सरकार सबक सिखायेगी। हम ऐसा सबक सिखायेंगे कि वे सीजीएल का नाम मुंह में लाने से डरेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में भाजपा, आजसू और सरयू राय सब अलग चुनाव लड़े थे, लेकिन इस बार सारी नदियां मिलकर समुद्र बन गयी है। हमारे साथ आजसू, लोजपा और जदयू तीनों का समर्थन है। इस बार हमारी जीत पक्की है।

मिथिलेश ठाकुर का नामांकन रद्द हो : भाजपा

गढ़वा प्रत्याशी के सहयोगी खुलेआम शराब, साड़ी, कपड़ा, घड़ी बांट रहे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची । भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल सुधीर श्रीवास्तव के नेतृत्व में चुनाव आयोग पहुंचा और मुख्य चुनाव पदाधिकारी के रवि कुमार से मुलाकात कर मांग किया कि गढ़वा से झामुमो प्रत्याशी मिथिलेश ठाकुर का नामांकन रद्द करने की मांग की। सुधीर श्रीवास्तव ने बताया कि चुनाव घोषणा होते ही जिस प्रकार खुलेआम आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर मिथिलेश ठाकुर के सहयोगियों ने खुलेआम शराब ,कपड़ा,साड़ी और घड़ी गांव गांव में जाकर बांट रहे हैं और पक्ष में मतदान की अपील कर रहे हैं ,इस पूरे प्रकरण का वीडियो बनाकर प्रतिनिधिमंडल ने



चुनाव आयोग को दिया है। चुनाव आयोग ने जांच के आदेश दिया

है। प्रतिनिधिमंडल में सुबोध कांत और पुष्कर तिवारी शामिल थे।

सामगढ़ (आजाद सिपाही)। एसपी अजय कुमार के निर्देश पर गुरुवार को जिले के सभी थाना क्षेत्र में संयुक्त रूप से अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया गया। एसपी ने बताया कि विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अवैध शराब के ठिकानों पर कार्रवाई की गयी है। पतरातू, बासल, रजरणा, कुज्जू, भदानीनगर और वेस्ट बोकारो थाना क्षेत्र में छापेमारी कर पुलिस ने 2610 किलोग्राम जावा महुआ नष्ट किया है। नष्ट किए गए जावा महुआ की अनुमानित कीमत 182700 रु. होगी। एसपी ने बताया कि इस दौरान कुल 1159 लीटर देशी शराब भी जप्त किया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत 8144 होगी।

धर्मनिरपेक्षता के पक्ष में

आजकल धर्मनिरपेक्षता को लेकर चलने वाली बहसमें अक्सर जिस तरह का तीखा रूप ले लेती हैं, उसके मद्देनजर यह महत्वपूर्ण है कि पिछले दो दिनों में दो बार सुप्रीम कोर्ट के अलग-अलग फैसलों में इसकी अहमियत रेखांकित हुई। एक मामले में सर्वोच्च अदालत ने धर्मनिरपेक्षता को संविधान के मूल ढांचे का हिस्सा करार दिया, तो दूसरे मामले में इसकी संकीर्ण व्याख्या से उपजी गड़बड़ियां दुरुस्त कीं। सोमवार को संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया कि धर्मनिरपेक्षता के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की जा सकती, क्योंकि यह संविधान के बुनियादी ढांचे का हिस्सा है। मामले की गंभीरता का अहसास कराते हुए जस्टिस संजीव खन्ना ने याचिकाकर्ताओं से सीधा सवाल किया कि क्या आप नहीं चाहते कि भारत धर्मनिरपेक्ष रहे? याचिकाकर्ताओं ने भी तब कहा कि उन्हें देश की धर्मनिरपेक्षता से आपत्ति नहीं, वे सिर्फ 42वें संशोधन को चुनौती दे रहे हैं। सर्वोच्च अदालत के फैसले से यह भी साफ हुआ कि संशोधन के द्वारा प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष शब्द जोड़े जाने का मतलब यह नहीं है कि इससे पहले धर्मनिरपेक्षता संविधान का अहम हिस्सा नहीं थी। चाहे समानता के अधिकार की बात हो या संविधान में आये बंधुत्व शब्द की या फिर इसके पार्ट 3 में दिये गये अधिकारों की, वे सब इस बात का साफ संकेत हैं कि धर्मनिरपेक्षता भारतीय

संविधान को संविधान के 42वें संशोधन को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर यह स्पष्ट किया कि धर्मनिरपेक्षता के साथ कोई छेड़छाड़ नहीं की जा सकती, क्योंकि यह संविधान के बुनियादी ढांचे का हिस्सा है।

संविधान की मूल विशेषता है। अदालत ने यह भी कहा कि चाहे धर्मनिरपेक्षता हो या समाजवाद, इन्हें पश्चिम के संदर्भ में देखने की जरूरत नहीं। भारतीय परिवेश ने इन शब्दों, मूल्यों, संरूपणनाओं को काफी हद तक अपने अनुरूप ढाल लिया है। दूसरा मामला इलाहाबाद हाइकोर्ट द्वारा यूपी बोर्ड ऑफ़ मदरसा एजुकेशन एक्ट 2004 को रद्द किये जाने से जुड़ा था, जिसे मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने गलत करार दिया। हाइकोर्ट ने इस एक्ट को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ माना था। धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत की इस संकीर्ण व्याख्या के चलते प्रदेश के 13 हजार से ज्यादा मदरसों में पढ़ रहे 12 लाख से अधिक स्टूडेंट्स के भविष्य पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे थे। मगर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जरूरत मदरसों को बैन करने की नहीं, बल्कि उन्हें मुखधारा में शामिल करने की है। इन दोनों फैसलों पर गौर करें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि जरूरत धर्मनिरपेक्षता को आधुनिक लोकतांत्रिक समाज की एक अपरिहार्य विशेषता के रूप में स्वीकार करने की ही नहीं, उसे लेकर उदार और व्यापक नज़रिया विकसित करने की भी है। इसे कमजोर करने की कोई भी जानी अनजानी कोशिश अंततः देश और समाज को ही कमजोर करेगी।

अभिमत

आजाद सिपाही

पीएम इंटरनशिप योजना: करके सीखने के विचार का लोकतंत्रीकरण



वी अनंत नागेश्वरन और दीक्षा सुयाल बिष्ट

कल्पना कीजिए रीना (काल्पनिक नाम) के बारे में, जो देश के तीसरी श्रेणी के एक शहर के एक राज्यस्तरीय विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले एक कॉलेज से वाणिज्य में स्नातक है। उसके कॉलेज में कोई प्लेसमेंट सेल नहीं है और शैक्षणिक स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के बावजूद, शिक्षा प्राप्ति के बाद के उसके विकल्प सरकारी नौकरी की परीक्षा की तैयारी, पड़ोस के स्कूल में पढ़ाने (जिसके लिए उसके पास योग्यता हो भी सकती है और नहीं भी) या शादी कर लेने तक ही सीमित हैं। कुल मिलाकर, देश के एक तिहाई युवाओं (15-29 वर्ष की आयु के) और आधे से अधिक युवतियों की उपस्थिति शिक्षा, रोजगार या प्रशिक्षण के क्षेत्र में नहीं है (https://tinyurl.com/yd675u5j)। यही नहीं, देश के युवाओं का एक बड़ा वर्ग किसी निजी कंपनी द्वारा नौकरी पर रखे जाने से कौंसो दूर है। इस संदर्भ में, हाल ही में शुरू की गयी पीएम इंटरनशिप योजना (पीएमआईएस) युवा सशक्तीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता द्वारा समर्थित एक बाजार-आधारित और युवाओं द्वारा संचालित समाधान पेश करती है।

पीएमआईएस को युवाओं के एक विशिष्ट समूह को शीर्ष 500 कंपनियों में 12 महीने की इंटरनशिप का अवसर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। कम आय वाले परिवारों के 21-24 वर्ष की आयु और मैट्रिक से लेकर स्नातक तक (आईआईटी स्नातक, सीए आदि को छोड़ कर) की शैक्षणिक योग्यता रखने वाले युवा इस योजना के पात्र हैं। यह योजना 5000 रुपये का मासिक स्टाइपेंड प्रदान करती है, जिसे सरकार (4500 रुपये) और कंपनी (500 रुपये)

से लेकर स्नातक तक (आईआईटी स्नातक, सीए आदि को छोड़ कर) की शैक्षणिक योग्यता रखने वाले युवा इस योजना के पात्र हैं। यह योजना 5000 रुपये का मासिक स्टाइपेंड प्रदान करती है, जिसे सरकार (4500 रुपये) और कंपनी (500 रुपये)



द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित किया जाता है। साथ ही, आकस्मिक व्यय के लिए अतिरिक्त 6000 रुपये भी दिये जाते हैं। इस योजना के प्रायोगिक चरण का लक्ष्य 2024 में 1.25 लाख युवाओं को लाभान्वित करना है, जबकि पांच वर्ष में एक करोड़ युवाओं को इंटरनशिप की सुविधा प्रदान करने का लक्ष्य है। इस योजना के तहत खर्च के लिए कंपनियां अपने सीएसआर फंड का भी उपयोग कर सकती हैं।

लंबे समय से इंटरनशिप को युवा उम्मीदवारों और नियोजकों के बीच पारस्परिक रूप से लाभप्रद एक व्यवस्था के रूप में जाना जाता रहा है। शिक्षा से जुड़े शोधकर्ताओं और शिक्षण से संबंधित वैज्ञानिकों ने कार्य-आधारित शिक्षा के महत्व को पहचाना है। डेविड कोल्म्ब, जॉन डेवी, कर्ट लुइस एवं कई अन्य विद्वानों द्वारा प्रवर्तित अनुभववात्मक शिक्षण से संबंधित दृष्टिकोण, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार श्रमशक्ति के विकास के महत्वपूर्ण साधन साबित हुए हैं। इंटरनशिप वास्तव में संवाद, सहयोग, रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बेहतर बनाती है।

युवा उम्मीदवारों के लिए पीएमआईएस के तहत प्रदान किए जाने वाले इंटरनशिप न केवल अवसर हैं, बल्कि परिवर्तनकारी

अनुभव भी हैं। वे कॉरपोरेट जगत की वास्तविक दुनिया से परिचित कराती हैं, जो देश भर के अधिकांश कॉलेजों में पढ़ाई जाने वाली शिक्षा की अपेक्षाकृत अधिक व्यवस्थित एवं स्थिर दुनिया से काफी भिन्न है। अपने करियर की सर्वोत्तम राह को विकसित करने और पहचानने के अलावा, उम्मीदवार जिम्मेदारी संभालने, समस्या के समाधान, निर्णय लेने, टीम वर्क और समय के प्रबंधन के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी हासिल कर सकते हैं। इंटरनशिप प्रवेश से संबंधित उन बाधाओं को भी तोड़ देती है, जिससे छोटे शहरों व गांवों के प्रतिभाशाली, ईमानदार और समर्पित युवाओं को भी जुड़ना पड़ता है। इन बाधाओं में धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलना, ई-मेल वैज्ञानिकों ने कार्य-आधारित शिक्षा के महत्व को पहचाना है। डेविड कोल्म्ब, जॉन डेवी, कर्ट लुइस एवं कई अन्य विद्वानों द्वारा प्रवर्तित अनुभववात्मक शिक्षण से संबंधित दृष्टिकोण, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार श्रमशक्ति के विकास के महत्वपूर्ण साधन साबित हुए हैं। इंटरनशिप वास्तव में संवाद, सहयोग, रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बेहतर बनाती है।

युवा उम्मीदवारों के लिए पीएमआईएस के तहत प्रदान किए जाने वाले इंटरनशिप न केवल अवसर हैं, बल्कि परिवर्तनकारी अनुभव भी हैं। वे कॉरपोरेट जगत की वास्तविक दुनिया से परिचित कराती हैं, जो देश भर के अधिकांश कॉलेजों में पढ़ाई जाने वाली शिक्षा की अपेक्षाकृत अधिक व्यवस्थित एवं स्थिर दुनिया से काफी भिन्न है। अपने करियर की सर्वोत्तम राह को विकसित करने और पहचानने के अलावा, उम्मीदवार जिम्मेदारी संभालने, समस्या के समाधान, निर्णय लेने, टीम वर्क और समय के प्रबंधन के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी हासिल कर सकते हैं। इंटरनशिप प्रवेश से संबंधित उन बाधाओं को भी तोड़ देती है, जिससे छोटे शहरों व गांवों के प्रतिभाशाली, ईमानदार और समर्पित युवाओं को भी जुड़ना पड़ता है। इन बाधाओं में धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलना, ई-मेल वैज्ञानिकों ने कार्य-आधारित शिक्षा के महत्व को पहचाना है। डेविड कोल्म्ब, जॉन डेवी, कर्ट लुइस एवं कई अन्य विद्वानों द्वारा प्रवर्तित अनुभववात्मक शिक्षण से संबंधित दृष्टिकोण, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार श्रमशक्ति के विकास के महत्वपूर्ण साधन साबित हुए हैं। इंटरनशिप वास्तव में संवाद, सहयोग, रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बेहतर बनाती है।

युवा उम्मीदवारों के लिए पीएमआईएस के तहत प्रदान किए जाने वाले इंटरनशिप न केवल अवसर हैं, बल्कि परिवर्तनकारी अनुभव भी हैं। वे कॉरपोरेट जगत की वास्तविक दुनिया से परिचित कराती हैं, जो देश भर के अधिकांश कॉलेजों में पढ़ाई जाने वाली शिक्षा की अपेक्षाकृत अधिक व्यवस्थित एवं स्थिर दुनिया से काफी भिन्न है। अपने करियर की सर्वोत्तम राह को विकसित करने और पहचानने के अलावा, उम्मीदवार जिम्मेदारी संभालने, समस्या के समाधान, निर्णय लेने, टीम वर्क और समय के प्रबंधन के बारे में व्यावहारिक प्रशिक्षण भी हासिल कर सकते हैं। इंटरनशिप प्रवेश से संबंधित उन बाधाओं को भी तोड़ देती है, जिससे छोटे शहरों व गांवों के प्रतिभाशाली, ईमानदार और समर्पित युवाओं को भी जुड़ना पड़ता है। इन बाधाओं में धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलना, ई-मेल वैज्ञानिकों ने कार्य-आधारित शिक्षा के महत्व को पहचाना है। डेविड कोल्म्ब, जॉन डेवी, कर्ट लुइस एवं कई अन्य विद्वानों द्वारा प्रवर्तित अनुभववात्मक शिक्षण से संबंधित दृष्टिकोण, विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार श्रमशक्ति के विकास के महत्वपूर्ण साधन साबित हुए हैं। इंटरनशिप वास्तव में संवाद, सहयोग, रचनात्मकता और आलोचनात्मक सोच को बेहतर बनाती है।

देश-विदेश की खबरें

मोदी कैबिनेट का फैसला : केंद्र सरकार ने दी रेल परियोजनाओं को मंजूरी सात हजार छठ और दिवाली स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

आजाद सिपाही संवाददाता
नयी दिल्ली। रेलवे त्योहार पर यात्रियों को सुरक्षित सफर कराने के लिए सात हजार दिवाली और छठ स्पेशल ट्रेनें चलावेगा। गुरुवार को कैबिनेट बैठक में इस फैसले को मंजूरी दी गयी। केंद्रीय रेल और सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस फैसले से रोज दो लाख यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। इसके अलावा बैठक में दो बड़ी रेल परियोजनाओं को मंजूरी दी गयी।
कृष्णा नदी पर बनेगा 3.2 किमी लंबा नया पुल : केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पहली रेल परियोजना के तहत अमरावती के लिए एक रेलवे लाइन को मंजूरी दी गयी है। इसके लिए कृष्णा नदी पर 3.2 किमी लंबा नया रेलवे पुल बनाया जायेगा। यह अमरावती को हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता और नागपुर से जोड़ेगा। इसके साथ ही उत्तर बिहार को



उत्तर पूर्वी राज्यों से जोड़ने के लिए नरकटियागंज- रक्सौल-सीतामढ़ी- दरभंगा और सीतामढ़ी- मुजफ्फरपुर रेलवे लाइन का दोहरीकरण किया जायेगा। 4553 करोड़ रुपये की लागत से 256 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन का दोहरीकरण होने से उत्तर प्रदेश और उत्तर बिहार को फायदा होगा।
313 किमी तक बढ़ जायेगा रेलवे नेटवर्क : केंद्रीय रेल मंत्री ने कहा कि नरकटियागंज-रक्सौल-सीतामढ़ी-दरभंगा और सीतामढ़ी- मुजफ्फरपुर खंड के दोहरीकरण से नेपाल, पूर्वोत्तर भारत और सीमावर्ती क्षेत्रों से कनेक्टिविटी मजबूत होगी और मालगाड़ी के साथ-साथ यात्री ट्रेनों की आवाजाही में सुविधा होगी। वहीं 57 किमी लंबी नयी रेल लाइन एरूपलेम-अमरावती-नंजुक्र, आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा और गुंटूर जिलों और तेलंगाना के खम्मम जिले से होकर गुजरेगी। उन्होंने

प्रस्ताव से आंध्र प्रदेश के अमरावती को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी।
उत्तर रेलवे ने की थी 3050 ट्रेनें चलाने की घोषणा : हाल ही में त्योहार को देखते हुए उत्तर रेलवे ने ही 3050 विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की थी। इनमें से अधिकांश ट्रेनें ऐसी हैं, जो उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पूर्वोत्तर राज्यों की ओर दौड़ेंगी। इस बार चलायी जा रही ट्रेनें पिछले साल के मुकाबले 172 फीसदी ज्यादा हैं। उत्तर रेलवे ने पिछले साल 1082 विशेष ट्रेनें चलायी थीं।
आंध्र प्रदेश के सीएम नायडू ने दिया धन्यवाद : केंद्रीय कैबिनेट बैठक में अमरावती के लिए नयी रेल लाइन को मंजूरी मिलने पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने पीएम मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री को धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि हम अमरावती को देश के बेहतर शहरों में से एक

बनाना चाहते हैं और रेलवे पुल के निर्माण से इसमें काफी मदद मिलेगी। मैं केंद्र सरकार की सराहना करता हूं और पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं। आंध्र प्रदेश में 70,000 करोड़ रुपये की कई परियोजनाएं चल रही हैं। हम पीएम मोदी को विशाखापत्तनम रेलवे जोन की आधारशिला रखने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। मैं इस परियोजना को मंजूरी देने के लिए केंद्रीय रेल मंत्री और पीएम मोदी को धन्यवाद देता हूं।
स्पेस सेक्टर स्टार्टअप के लिए वेंचर कैपिटल फंड : स्पेस सेक्टर में काम करने वाले स्टार्टअप की मदद के लिए सरकार आगे आयी है। केंद्रीय कैबिनेट ने गुरुवार को 1000 करोड़ रुपये का वेंचर कैपिटल फंड बनाने को अपनी मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी जानकारी दी। इस फंड से लगभग 40 स्टार्टअप को मदद मिलने की उम्मीद है।

शिवराज सिंह चौहान का मोदी सरकार में बढ़ा कद पीएम ने सौंपा अपना वाला खास काम

आजाद सिपाही संवाददाता
नयी दिल्ली। मोदी सरकार में कृषि मंत्री की भूमिका निभा रहे शिवराज सिंह चौहान का कद बढ़ता नजर आ रहा है। खबर है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें नयी जिम्मेदारी सौंपी है, जिसके तहत वह देशभर में सरकार की नयी और जारी योजनाओं की समीक्षा करेंगे। दरअसल पीएम मोदी ने एक नयी टीम गठित की है, जिसकी कमान चौहान को दी गयी है। हाल ही में इस संबंध में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई थी, जिसमें

एलएसी पर जमीनी स्थिति बहाल करने पर बनी व्यापक सहमति: राजनाथ सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि भारत और चीन के बीच बातचीत के बाद वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जमीनी स्थिति को बहाल करने पर व्यापक सहमति बन गयी है, जिसमें पारंपरिक क्षेत्रों में गश्त और मवेशियों को चराने की अनुमति भी शामिल है। राजधानी दिल्ली में चाणक्य रक्षा वार्ता 2024 में बोलते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दोनों देशों के बीच हुए समझौते को एक महत्वपूर्ण विकास बताया, जो वैश्विक मंच पर रक्षा वार्ता के

महत्व को भी रेखांकित करता है।
सैन्य और कूटनीतिक स्तरों पर हुई बातचीत : राजनाथ सिंह ने कहा, भारत और चीन एलएसी पर कुछ क्षेत्रों में मतभेदों को सुलझाने के लिए सैन्य और कूटनीतिक दोनों स्तरों पर बातचीत की है। इस बातचीत के बाद समान और पारस्परिक सुरक्षा के सिद्धांत आधार पर जमीनी स्थिति को बहाल करने के लिए व्यापक सहमति बन गयी है। उन्होंने कहा, इसमें पारंपरिक क्षेत्रों में गश्त और (मवेशियों को) चराने की अनुमति भी शामिल है। यह निरंतर बातचीत



में संलग्न होने की शक्ति है, क्योंकि जल्द या बाद में समाधान निकलेगा।
एक दिन पहले ब्रिक्स में मिले एएसएम मोदी और शी जिनिपिंग : इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनिपिंग ने

एक ही दिन 80 से ज्यादा भारतीय उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। विमानों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार को एक बार फिर से 85 विमानों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। इनमें एयर इंडिया के 20 विमान, इंडिगो के 20, विस्तारा के 20 और अकासा की 25 उड़ानें शामिल हैं। पिछले 11 दिनों में इंडियन एयरलाइंस की 250 उड़ानों को इस तरह की धमकियां मिली हैं। पिछले कई दिनों से लगातार विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां मिल रही हैं। गुरुवार को एक बार फिर से 85 उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी दी गयी है। पुलिस ने इन धमकियों की जांच शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस ने पिछले आठ दिनों में 90 से ज्यादा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को बम से उड़ाने की धमकी के संबंध में आठ अलग-अलग एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस ने कई लोगों को भी गिरफ्तार किया है।

बुलडोजर कार्रवाई से प्रभावित लोग अदालत आ सकते हैं: सुप्रीम कोर्ट

राज्यों के खिलाफ अपमानानका आरोपी लगातारवाली याचिका खारिज

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को उत्तराखंड, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अधिकारियों द्वारा अदालत के आदेश की अवमानना का आरोप लगाने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति बीआर गवड़, न्यायमूर्ति पीके मिश्रा और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मामले से नहीं जुड़ा है, इसलिए वह याचिका पर विचार नहीं कर रहे हैं। हालांकि कोर्ट ने साफ किया है कि जो लोग बुलडोजर कार्रवाई से प्रभावित हैं, वो अदालत आ सकते हैं। पीठ ने कहा कि हम भानुभती का पिटारा नहीं खोलना चाहते हैं। विध्वंस से प्रभावित लोगों को न्यायालय आने दें। दरअसल

याचिकाकर्ता के वकील ने आरोप लगाया कि हरिद्वार, जयपुर और कानपुर में अधिकारियों ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद संपत्तियों को ध्वस्त किया। याचिकाकर्ता ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में साफ कहा था कि उनकी अनुमति के बगैर तोड़फोड़ की कार्रवाई नहीं की जायेगी, लेकिन उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान के अधिकारियों द्वारा कोर्ट के आदेश की अवमानना की गयी। याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, सर्वोच्च न्यायालय का आदेश स्पष्ट था कि इस न्यायालय की अनुमति के बिना कोई तोड़फोड़ नहीं की जायेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि एक मामले में एफआईआर दर्ज होने के तुरंत बाद संपत्ति को ध्वस्त कर दिया गया। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एफ नज़ीर ने कहा कि याचिकाकर्ता एक तीसरा पक्ष है और उसे तथ्यों की जानकारी नहीं है।

शरद पवार को सुप्रीम कोर्ट से झटका अजित के पास ही रहेगी ‘घड़ी’

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से गुरुवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के संस्थापक शरद पवार को बड़ा झटका लगा। दरअसल, कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) का ‘घड़ी’ चिह्न अजित पवार के पास ही रहेगा। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले यह फैसला आया है। हालांकि कोर्ट ने कहा कि अजित पवार गुट को उसके पहले के आदेश का पलन करते हुए चुनाव प्रचार के दौरान ‘डिस्कलेमर’ जोड़ना होगा, जिसमें यह स्पष्ट किया जायेगा कि मामले पर अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और

जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा, अगर हमें लगेगा कि जानबूझ कर हमारे आदेश का उल्लंघन किया जा रहा है, तो हम खुद ही अवमानना की कार्यवाही शुरू कर सकते हैं। शरद पवार गुट की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का यह अस्थायी फैसला आया है। शरद पवार गुट ने चुनाव आयोग के उस फैसले को चुनौती थी, जिसमें पार्टी का नाम और चिह्न अजित पवार गुट को दे दिया गया था। इस बार, शरद पवार ने सुप्रीम कोर्ट में शिकायत की थी कि अजित पवार गुट ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का उल्लंघन किया है और कोई डिस्कलेमर नहीं जोड़ा, जिससे मतदाताओं में असमंजस पैदा हुई।

मुमला (आजाद सिपाही)। जिले में पलाश बहु-भाषा शिक्षा कार्यक्रम के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें बीआरपी और सीआरपी की क्षमता विकास किया गया। उन्हें चयनित विद्यार्थियों के शिक्षकों को कक्षा में प्रशिक्षण सहयोग प्रदान करने में सक्षम बनाना कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य है। ताकि वे बहु-भाषिक शिक्षा के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित कर सकें। कार्यशाला में प्रतिभागियों को यह समझाया गया कि बच्चों की मातृभाषा, विशेष रूप से प्राथमिक शिक्षा में, उनके सीखने की आधारशिला होती है। मातृभाषा के माध्यम से बच्चों को नयी और जटिल अवधारणाओं को आसानी से सिखाया जा सकता है, जिससे उनकी शैक्षणिक प्रगति और बौद्धिक विकास में सहायता मिलती है। कार्यशाला के दौरान यह भी चर्चा की गयी कि बच्चों के लिए भाषा केवल सवाद का माध्यम नहीं है, बल्कि यह उनकी संस्कृति और पहचान को भी गहराई से जुड़ी होती है। इस सन्दर्भ में, मातृभाषा के महत्व को प्राथमिक स्तर पर शिक्षा में अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया गया।



गांजा व शराब के साथ दुकान का संचालक गिरफ्तार



बाघमारा/कतरास (आजाद सिपाही)। बाघमारा पुलिस ने बुधवार की रात भीमकन्याली कॉलोनी के समीप स्थित एक दुकान में छापामारी कर वहां से 16 लीटर अवैध देशी महुआ शराब व 219 ग्राम गांजा बरामद किया है। लगे हाथ पुलिस ने तीन चिलम के साथ दुकान संचालक दिनेश गोर्राई को भी गिरफ्तार कर लिया है। थानेदार चिरंजीत प्रसाद ने स्वलिखित बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर गुरुवार को दिनेश को अदालत ले गई, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना प्रभारी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। हालांकि छापामारी दौरान शराब का सेवन करने वाले भाग निकले, लेकिन दुकान संचालक पकड़ा गया।

संविदा कर्मियों के लिए सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन



बोकारो (आजाद सिपाही)। सतर्कता विभाग के तीन माह के सतर्कता जागरूकता अभियान के अंतर्गत मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मिनी ऑडिटोरियम में बीएसएल के संविदा कर्मियों के लिए सतर्कता विभाग एवं मानव संसाधन के ठेका श्रमिक प्रकोष्ठ के तत्वाधान में सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विभाग में कार्यरत कुल 100 संविदा कर्मी प्रतिभागी के रूप में शामिल हुए। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में महाप्रबंधक (ठेका श्रमिक प्रकोष्ठ) प्रान्जलि के साथ वरीय प्रबंधक पंकज कुमार(ठेका श्रमिक प्रकोष्ठ) एवं शनि रंजन सहायक महा प्रबंधक (सतर्कता) उपस्थित थे। कार्यक्रम में वरीय प्रबंधक पंकज कुमार(ठेका श्रमिक प्रकोष्ठ) द्वारा एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से ठेका श्रमिकों के लाभ और वैधानिक अधिकार के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी।

झामुमों में हुए शामिल

आइएल (आजाद सिपाही)। गोमिया प्रखंड अंतर्गत हजारी पंचायत से कई लोगों ने पूर्व विधायक योगेन्द्र प्रसाद के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए गुरुवार को झामुमो की सदस्यता ग्रहण कर ली। वहीं, मुरुबंदा आवास में गोमिया के पूर्व विधायक योगेंद्र प्रसाद ने पार्टी में शामिल होने वालों का स्वागत किया।

अनवरी खातून को धनबाद से बसपा का टिकट मिलने पर समर्थकों में हर्ष



धनबाद (आजाद सिपाही)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो कुमारी मायावती ने धनबाद विधानसभा सीट से अनवरी खातून को प्रत्याशी घोषित किया है। पार्टी के केंद्रीय राज्य प्रभारी जीसी दिनकर एवं रामबाबू चिरगइया से रांची में पार्टी सिंबल प्राप्त कर धनबाद पहुंची बसपा प्रत्याशी अनवरी खातून को गुरुवार को केंदुआ श्री लेखा सिनेमा हॉल के निकट समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। जमकर आतिशबाजी की। इस अवसर पर बसपा प्रत्याशी अनवरी खातून ने कहा कि धनबाद में इस बार परिवर्तन होगा। कांग्रेस और भाजपा ने धनबाद का विकास के बदले विनाश किया है। दोनों पार्टियों ने यहां के संसाधनों को लूटा है। मैं जनता की उम्मीद पर खरी उतरूंगी। बंद पड़े कोलियरियों को पुनः चालू कराऊंगी। धनबाद के युवाओं को धनबाद में ही रोजगार मिलेगा। वहीं, प्रदेश सचिव गौतम कुमार ने कहा कि धनबाद विधानसभा में बसपा प्रत्याशी को सभी वर्गों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। मौके पर गजानंद वर्णवाल, मुन्ना, मो गुलाम समदानी, शमशाद अंसारी, चानू कुमारी, आरती चौहान, कलामुदीन, जसीम अंसारी, गोल्डेन अंसारी, मुमताज अंसारी और उमा कुमारी आदि उपस्थित थे।

नप कार्यालय में वोटिंग फॉर मीटिंग का आयोजन

फुसरो/बेरमो (आजाद सिपाही)। विधानसभा चुनाव के निमित्त मतदाता जागरूकता के लिए राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन फुसरो नगर परिषद से जुड़े एसएचजी एवं एएलएफ के सदस्यों के साथ फुसरो नप के सभागार में वोटिंग फॉर मीटिंग का आयोजन किया गया।

डॉ लंबोदर महतो, अमर बाउरी, पूर्णिमा नीरज सिंह, मथुरा महतो, अनूप सिंह, रविंद्र पांडेय एवं उमाकांत रजक सहित एक दर्जन से अधिक प्रत्याशियों ने भरा नामांकन

आजाद सिपाही टीम

धनबाद/बोकारो/तेनुघाट/बेरमो। झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखें जैसे-जैसे नजदीक आ रही हैं, वैसे-वैसे राजनीतिक तापमान भी तेजी से बढ़ता जा रहा है। सभी प्रमुख राजनीतिक दलों से लेकर निर्दल प्रत्याशियों तक जीत का दंभ भरते हुए चुनावी मैदान में कूद चुके हैं। इसी कड़ी में गुरुवार को धनबाद, बोकारो और बेरमो कोयलांचल में भाजपा, झामुमो, कांग्रेस, आजसू और जेएलकेएम सहित राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों ने अपना-अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दिन बोकारो के चंदनकियारी विधानसभा सीट से झामुमो प्रत्याशी उमाकांत रजक ने निवाची पदाधिकारी प्रभास दत्ता के समक्ष झारखंड अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इसी तरह भाजपा प्रत्याशी अमर कुमार बाउरी ने भी चंदनकियारी विस सीट से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। वहीं, जेएलकेएम पार्टी की प्रत्याशी सरोज कुमारी ने बोकारो विधानसभा सीट के लिए चास अनुमंडल पदाधिकारी प्रांजल ढाड़ा के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। दूसरी ओर, धनबाद जिले के सिंदरी, निरसा, धनबाद, झरिया एवं टुंडी विधानसभा सीटों के लिए प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल



किया। इस दिन झरिया विधानसभा सीट से पूर्णिमा नीरज सिंह एवं निर्दलीय उम्मीदवार सूरज सिंह ने निवाची पदाधिकारी सह एडीएम (लॉ एंड ऑर्डर) पीयूष सिन्हा के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया। वहीं, टुंडी विधानसभा से झामुमो प्रत्याशी मथुरा प्रसाद महतो ने निवाची पदाधिकारी एलआरडीसी



चटर्जी ने एडीएम (सप्लाई) जियाउल अंसारी के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। धनबाद विस से निर्दलीय उम्मीदवार कुमार कौशल ने भी नामांकन पत्र दाखिल किया है। खबर है कि विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी होने के तीसरे दिन 17 अभ्यर्थियों ने नामांकन पत्र



खरीदे हैं। इस दिन धनबाद विस के लिए सामान्य वर्ग के पांच व अनुसूचित जाति/जनजाति का एक, झरिया विस के लिए सामान्य वर्ग में तीन, टुंडी के लिए सामान्य वर्ग के चार व अनुसूचित जाति/जनजाति का एक और बाघमारा विस के लिए सामान्य वर्ग में तीन अभ्यर्थियों ने नामांकन पत्र खरीदे।

जबकि सिंदरी और निरसा के लिए किसी ने नामांकन पत्र नहीं खरीदा। उधर, गोमिया और बेरमो विधानसभा क्षेत्रों में नामांकन प्रक्रिया के तहत इस दिन कई प्रत्याशियों ने अपने पत्र दाखिल किए। इसमें गोमिया विस क्षेत्र के निवाची पदाधिकारी सह अपर समाहर्ता मो मुमताज अंसारी के

समक्ष आजसू प्रत्याशी डॉ लंबोदर महतो और इफितखार महमूद ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। जबकि बेरमो विस से कांग्रेस प्रत्याशी कुमार जयमंगल उर्फ अनूप सिंह और भाजपा के रविंद्र कुमार पांडेय ने अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किये।

पूर्णमा नीरज सिंह के नामांकन में पहुंचा रामाधीर सिंह का परिवार

झरिया के विकास के लिए जनता से किया हर वादा पूरा किया : पूर्णिमा

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया/धनबाद। झरिया विधानसभा सीट से आइएनडीआईए की कांग्रेस प्रत्याशी पूर्णिमा नीरज सिंह ने गुरुवार को निवाची पदाधिकारी पीयूष सिन्हा के समक्ष अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। झारखंड प्रदेश कांग्रेस के चुनाव प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने सरायढेला स्थित रघुकुल आवास पहुंचकर पूर्णिमा नीरज सिंह को शुभकामनाएं दी और चुनाव के लिए जरूरी रणनीति पर चर्चा की। वहीं, नामांकन के दौरान रामधीर सिंह के परिवार का शामिल होना चर्चा का विषय रहा। इस दिन धनबाद नगर निगम की प्रथम मेयर इंदु सिंह, बहु आसानी सिंह और भाई प्रशांत सिंह नामांकन के दौरान रघुकुल से समाहरणालय तक



रामाधिर सिंह के परिवार के साथ कांग्रेस प्रत्याशी पूर्णिमा नीरज सिंह।

विधायक समर्थकों के साथ पहुंचे और जीत सुनिश्चित की कामना की। इस अवसर पर पूर्णिमा नीरज सिंह ने कहा कि झरिया की जनता को विकास दिख रहा है। यह सिलसिला आगे जारी रहे इसी भरोसे और समर्थन ने मुझे दोबारा मौका दिलाया है। उन्होंने कहा कि झरिया की जनता से मैंने वादा किया था कि झरिया से लापता

2019 में बदला था 52 साल का इतिहास

बता दें कि पूर्णिमा नीरज सिंह ने 2019 विधानसभा चुनावों में झरिया से महागठबंधन और कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ा और 12,054 मतों के अंतर से जीतकर विधानसभा पहुंची। 2019 उनकी जीत 52 सालों में झरिया विधानसभा सीट पर महागठबंधन के लिए भी पहली जीत थी।

लेकर यह कर दिखाया। कहा कि हमारी सरकार ने मंडियां सम्मान योजना और मुख्यमंत्री ऊर्जा खुशहाली जैसी योजनाओं को लाकर जनता को भरोसा दिलाया कि यह झरिया उनका है।

हेमंत सरकार में झारखंड 10 साल पीछे चला गया: रविंद्र राय

कहा- विधायक कोयला, बालू व लोहा चोरी करवाने में व्यस्त रहे



बेरमो विस सीट से भाजपा प्रत्याशी रविंद्र राय के नामांकन में शामिल सांसद सीपी चौधरी, विधायक लंबोदर महतो व अन्य।

आजाद सिपाही संवाददाता

फुसरो/बेरमो। बेरमो विधानसभा सीट से एनडीए गठबंधन के भाजपा प्रत्याशी रविंद्र कुमार पांडेय ने गुरुवार को अपना नामांकन बेरमो एसडीएम सह निर्वाचन पदाधिकारी मुकेश मझुआ के समक्ष दाखिल किया। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने राज्य के हेमंत सरकार और बेरमो विधायक सह

आइएनडीआईए गठबंधन के कांग्रेस प्रत्याशी कुमार जयमंगल उर्फ अतुप सिंह सिंह पर कई गंभीर आरोप लगाये। कहा कि झारखंड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रदेश अध्यक्ष बाबुलाल मरांडी के सहयोग से एनडीए की मजबूत सरकार बनेगी। आरोप लगाया कि हेमंत सरकार में झारखंड 10 साल पीछे चला गया है। जबकि वर्तमान विधायक कोयला, लोहा

और बालू चोरी करवाने में ही व्यस्त रहे। इनके पहले भी भाजपा का विधायक रहे हैं। पर उन पर कोई आरोप नहीं है। बेरमो के वर्तमान विधायक मैट्रिक फेल है और विकास की बात करते हैं। नामांकन के दौरान गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी, गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो, बेरमो के पूर्व विधायक योगेश्वर महतो बाटुल आदि तेनुघाट पहुंच थे।

झारखंड में विकास की धीमी रफ्तार को सिर्फ भाजपा की डबल इंजन की सरकार ही गति दे सकती है : रागिनी सिंह

बस्ताकोला मंडल के विभिन्न क्षेत्रों में चलाया जनसंपर्क अभियान

झरिया (आजाद सिपाही)।

झरिया विधानसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी रागिनी सिंह ने गुरुवार को बस्ताकोला मंडल के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा एवं जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान रागिनी सिंह ने अपने कई शुभचिंतकों और परिजनों के आवास पहुंच भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। कहा कि झारखंड में विकास की धीमी रफ्तार को सिर्फ डबल इंजन की सरकार ही गति दे सकती है। इसके लिए झारखंड में भाजपा की सरकार अति आवश्यक है। विधानसभा चुनाव में झरिया की जीत झारखंड की दशा और दिशा



तय करेगी। झरिया का चुनाव मैं नहीं लड़ रही, बल्कि यह चुनाव झरिया की जनता लड़ रही है। इस बार झारखंड के 81 विधानसभा सीटों में कमल खिलाना है। मौके पर भाजपा बस्ताकोला मंडल के अध्यक्ष तरुण राय, पूर्व अध्यक्ष

संतोष शर्मा, महामंत्री संतोष खानी, उपाध्यक्ष रामदेव शर्मा, रंजीत दास, रवि मिश्रा, संजय खानी, चिंटू शर्मा, मनोज गोप, पप्पू पासवान, राजू दास, अफजल अंसारी, आकाश पासवान, राहुल गुप्ता, केतन बेलदार, प्रेम गोप आदि मौजूद थे।

उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी का कार्यालय, हजारीबाग (शस्त्र शाखा)

:- आदेश :-

आगामी विधान सभा निर्वाचन-2024 को स्वच्छ, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त तरीके से संपन्न कराने हेतु हजारीबाग जिला के सभी शस्त्र अनुज्ञप्तिधारियों के अनुज्ञप्ति पर धारित शस्त्र को अपने स्थानीय थाना/ओ0पी0/शस्त्र एवं कारतूस विक्रेता दुकान में दिनांक-24.10.2024 तक जमा करने का आदेश दिया गया था, परंतु अभी भी कतिपय अनुज्ञप्तिधारियों के द्वारा अपने अनुज्ञप्ति पर धारित शस्त्र को जमा नहीं किया गया है। हजारीबाग जिला से निर्गत शस्त्र अनुज्ञप्ति, जो हजारीबाग जिला से बाहर रह रहें हैं एवं अपने अनुज्ञप्ति पर धारित शस्त्र को जमा नहीं किये हैं एवं हजारीबाग जिला से इत्तर रह रहें हैं तथा अन्य जिलों से निर्गत शस्त्र अनुज्ञप्तिधारी, जो इस जिले में रह रहें हैं तथा शस्त्र को अपने पास रखें हुए हैं, वैसे सभी अनुज्ञप्तिधारी को आदेश दिया जाता है कि दिनांक-26.10.2024 तक अपने निकटतम थाना/ओ0पी0/शस्त्र एवं कारतूस विक्रेता के दुकान में जमा कराना सुनिश्चित करेंगे एवं सूचना स्थानीय थाना /ओ0पी0 एवं जिला शस्त्र शाखा, हजारीबाग को उपलब्ध करायेंगे।

ह0/-
उपायुक्त-सह-जिला निर्वाचन पदाधिकारी
हजारीबाग।
PR.NO.339474 Election(24-25):D

कार्यालय जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त, हजारीबाग। (प्रेक्षक कोषांग) प्रेस विज्ञप्ति

झारखण्ड विधानसभा आम निर्वाचन-2024 के अवसर पर भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा 14-हजारीबाग अन्तर्गत 20-बरकट्टा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए सामान्य प्रेक्षक की प्रतिनियुक्ति की गई है, जिनके साथ निम्नवत् सम्यक पदाधिकारी को संबद्ध किया गया है।

Sl.	Name of General Observer	Name of Constituency	Name of Room	Name of Lisioning Officer	मिलने का समय
01	Sri Saurav Pahari, IAS Observer code- G-22482 Mob.No.- 8987796324	20-Barkatha. (Legislative Assembly)	New Circuit House (Barakar)	Sri Manish Kumar, A.E.Minor irrigation, Hzb. Mob.No.- 8789808262	09:00 AM To 10:00 AM

एतद् द्वारा सभी राजनैतिक दल एवं सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि वे 20-बरकट्टा विधानसभा क्षेत्र के लिए प्रतिनियुक्त सामान्य प्रेक्षक से अपनी शिकायतों एवं समस्याओं का निराकरण हेतु प्रेक्षक के साथ संबद्ध सम्यक पदाधिकारी से सम्यक स्थापित कर, उपरोक्त दिए गए समयानुसार मिलकर अथवा अंकित मोबाईल नम्बर पर सम्यक करते हुए निराकरण कर सकते हैं।

निदेशानुसार
नोडल पदाधिकारी, प्रेक्षक कोषांग
सह-प्रभारी पदाधिकारी, नजारत शाखा, हजारीबाग।
PR 339473 Election(24-25)D

